जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अंक 234 पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) दिसम्बर 2017

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

प्रिय बहनों !

सादर जय जिनेन्द्र।

चातुर्मास का आध्यात्मिक जागरण भरा अवसर अभी हम सबके सामने आया। मानवता के मसीहा परम पूज्य गुरुदेव का राजरहाट, कोलकाता का चातुर्मास एक ओर जहाँ संपूर्ण मानव जाति के लिए वरदान साबित हुआ वहाँ मेरे लिए भी अविस्मरणीय बन गया। कहते हैं समय का हर लम्हा विकास का एक स्वर्णिम अवसर है यदि कोई इसे पहचान सके, पकड़ सके और उसे सर्वात्मना जी सके। ऐसा ही विकास का एक सुनहरा अवसर इस चातुर्मास के दौरान मेरे सामने भी आया जिसे गुरु द्वारा संप्रेषित ऊर्जा से मैंने पहचाना, पारिवारिकजनों के सहयोग से उसे पकडा और बहनों ! आप सभी के स्नेहिल संपोषण से अब उसे जीने का प्रयास कर रही हूँ।

दिसम्बर का माह जहाँ एक वर्ष को अलविदा कहने एवं नव वर्ष के स्वागत को तत्पर होने का अवसर है, वहीं यह सामाजिक एवं पारिवारिक परिवेश में विवाह-शादियों एवं स्नेह मिलन का मांगलिक अवसर है। बहनों ! हमने नवम्बर माह में पूरे उत्साह एवं जोश के साथ नए युग में प्रवेश किया और व्यावहारिक, व्यावसायिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा को प्राप्त किया। अब नई सोच व नए संकल्प के साथ सही दिशा में अपने कदम आगे बढ़ाये उससे पूर्व वर्षभर की समीक्षा कर लेते है। क्योंकि पारिवारिक तथा सामाजिक आयोजनों में दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे आडम्बर, प्रदर्शन व संग्रह की प्रवृत्ति को देखते हुए यदि समय रहते इसकी समीक्षा नहीं की जायेगी तो आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत बड़ा प्रश्नचिन्ह लग जायेगा। अतः इस माह हमें समीक्षात्मक चर्चा परिचर्चा करनी है कि आने वाले नए वर्ष में हमें क्या बढ़ाना है, क्या घटाना है और किसका संतुलन बनाए रखना है। यदि वास्तव में हम चर्चा-परिचर्चा के दौरान चिंतन, निर्णय और क्रियान्विति की दूरियों को मिटा सकते हैं तो एक आदर्श परिवार तथा समाज के निर्माण की दिशा में बढ़ाया हमारा कदम सार्थक होगा।

साध्वीप्रमुखा श्री जी के शब्दों में,

सही दिशा में चलो अगर तो मंजिल स्वयं मिलेगी। आएगा ऋतुराज धरा पर कलियां स्वयं खिलेगी।।
पाँव बढ़े जिस ओर उधर ही नया मार्ग बनता है। स्नेह और बाती को पाकर दीपक खुद जलता है।।
पौरुष में विश्वास अगर हो जड़ता स्वयं हिलेगी। सही दिशा में....

बहनों ! हमें पारिवारिक एवं सामाजिक पक्ष को पुष्ट करते हुए संघीय दायित्व को भी बखूबी निभाना है। देशभर में जगह-जगह से संभवतः चारित्रात्माओं का विहार हो चुका है और कुछ स्थानों पर साधु-साध्वियाँ अस्वस्थ है। हमारा पुनीत कर्तव्य है कि हम उनके विहारकाल में तथा स्वास्थ्य लाभ में एकजुटता के साथ सेवा का लाभ उठायें। रास्ते की सेवा में ही हम गुरु सन्निधि तथा चारित्रात्माओं के नजदीक रहकर ज्ञानार्जन करते हुए सेवा का अनमोल क्षण पा सकते हैं।

बहनों ! हमें मंजिल पाने के लिए आस्था व संकल्प के मजबूत इरादों के साथ विकास के राजपथ पर आगे बढ़ना है।

विकास की अनंत अनंत मंगलकामना के साथ.....

आपकी अपनी
कुमुद कच्छारा
कुमुद कच्छारा
राष्ट्रीय अध्यक्ष

ऊर्जावाणी

साधक को एक समर्पित सैनिक की तरह हर समय कटिबद्ध रहना चाहिए और निरन्तर आत्मयुद्ध करते रहना चाहिए, एक दिन अवश्य विजय प्राप्त होगी।

–आचार्य श्री महाश्रमण

परंपरा और आधुनिकता नारी जीवन के दो छोर है। इन दोनों के बीच विवेक का सेतु बन जाए तो कोई समस्या पैदा नहीं होती।

–साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

संस्था की रजत जयंती आयोजन हेतु केन्द्रीय निर्देश

हमारे कई शाखा मंडल 25 वर्ष की गौरव पूर्ण यात्रा को पूरा कर रजत जयंती के पायदान पर आरोहण कर रहे है। हम चाहते है कि रजत जयंती के उपलब्धिपूर्ण समायोजन को सभी शाखा मंडल एकरूपता से आयोजित कर संस्था के इस गौरव को स्वर्णिम पहचान दें।

इस सन्दर्भ में आवश्यक निर्देश इस प्रकार है

- शाखा मंडल एक दिवसीय रजत जयंती समारोह का आयोजन करें।
- आयोजन में अनावश्यक खर्च व प्रदर्शन को बढ़ावा न दिया जाये।
- रजत जयंती के अवसर पर संस्था के पच्चीस वर्ष के गौरवशाली इतिहास की लिखित प्रस्तुति (स्मारिका) आदि के रूप में अवश्य हो
- इस अवसर पर संस्था के विकास में योगभूत व नींव के पत्थर बने, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान अवश्य किया जाये।
- सम्मान हेतु शॉल का प्रयोग न किया जाये। मोमेण्टो सम्मान को यादगार बनाने के लिए पर्याप्त है।
- संस्था के पच्चीस वर्ष के इतिहास की यथा संभव फोटो प्रदर्शनी भी आयोजित की जाये।
- संस्था द्वारा कोई एक स्थाई गतिविधि उस उपलक्ष्य में प्रारम्भ की जाये। (प्रशिक्षण केन्द्र, चिकित्सा केन्द्र आदि)
- रजत जयंती कार्यक्रम का उद्घाटन किसी प्रबुद्ध, वरिष्ठ व नामी गिरामी व्यक्ति से करवाया जाये।
- संस्था की विकास यात्रा की रोचक माध्यमों से मंचीय प्रस्तुति भी दी जा सकती है।
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शालीनता व कलात्मकता हो। नृत्य के कोई भी कार्यक्रम आयोजित नहीं किए जाएं।
- संस्था की योजनाओं को पुष्ट ढंग से समाज के सामने प्रस्तुत करने के लिए नाटक, कवि सम्मेलन आदि विधाओं का प्रयोग भी किया जा सकता है।
- तेरापंथ समाज की प्रबुद्ध एवं सृजनशील बहिनों की रचनाओं को स्मारिका में विशेष स्थान दिया जाए व उनका परिचय भी प्रकाशित किया जाए।
- स्मारिका में संस्था की विकास यात्रा के अनुपम अनुभवों को शामिल किया जाए और 25 वर्षों के उपलब्धि पूर्ण कार्यों को उजागर किया जाए।
- रजत जयंती के अवसर पर संस्था के मध्यान्ह के सत्र में रजिस्टर्ड सदस्यों के लिए एक विशेष उत्साहवर्धक कार्यक्रम आयोजित किया जाए एवं संस्था के विकास पर समीक्षात्मक गोष्ठी आयोजित की जाए।
- शाखा मंडल सलक्ष्य रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष में समूह रूप में गुरु दर्शन कर आशीर्वाद लें।
- सम्पूर्ण कार्यक्रम की वी.सी.डी. बनाकर केन्द्र को भेजें।

संस्था की स्वर्ण जयंती के संदर्भ में भी उपरोक्त निर्देशों का पालन किया जाए।

आज ऐसा समय है महिलाओं को अपने चारित्रिक सौंदर्य को निखारना होगा, आत्म विश्वास को बढ़ाना होगा, आत्मनिर्भरता की आवश्यकता का अनुभव करना होगा।

-आचार्य श्री तुलसी

जीवन जीने के लिए सबसे अच्छा मार्ग है - सहन करना, समन्वय करना और सह-अस्तित्व की चेतना को विकसित करना।

-आचार्य श्री महाप्रज्ञ

दिशा निर्देश

1. महिला मण्डल के हर सदस्य को देव गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा हो।
2. महिला मंडल नारी लोक का वाचन अपने मंडल की बैठक में अवश्य करें। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के दिशा निर्देशों का पालन एवं सक्रियता मंडल के मूल्यांकन में महत्वपूर्ण होगा।
3. संघीय एवं महिला मंडल के कार्यक्रमों तथा स्वागत गीत आदि की प्रस्तुति में गणवेश का ही उपयोग हो।
4. महिला मंडल अपने क्षेत्र के बकाया शुल्क एवं अनुदान की राशि अखिल भारतीय महिला मंडल के खाते (ओबीसी लाडनू एकाउंट नं 10272010000350) में जमा करावें। रसीद की प्रतिलिपि केंद्रीय कार्यालय लाडनूं में भिजवाएं।
5. अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आयोजित होने वाले प्रत्येक कार्यक्रम एवं आमंत्रण पत्र की संपूर्ण रूपरेखा महामंत्री कार्यालय में निश्चित रूप से स्वीकृत कराएं।
6. अपने कार्यों की जानकारी रिपोर्ट के प्रारूप में भरकर ही भिजवाएं। प्रत्येक कार्यक्रम की सूचना अलग से न भिजवाएं। रिपोर्ट महामंत्री एवं क्षेत्रीय प्रभारी के पास ही भेजें।
7. अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के पदाधिकारी संगठन यात्रा पर आएं तब वहां की कार्यकर्ताएं कोई भी उपहार आदि न दें।
8. महिला मंडल के कार्यक्रमों में 13 व्यंजन से ज्यादा ना हो एवं जमीकंद वर्जित है।
9. महिला मंडल के नीचे किसी भी अन्य संस्था का गठन ना हो एवं युवती मंडल स्वतंत्र संस्था नहीं है, अतः युवती मण्डल के बैनर का प्रयोग वर्जित है।
10. किसी भी कार्यक्रम में फैशन शो, रूपये पैसे वाले गेम्स वर्जित है। कार्यक्रम की मर्यादा का पूर्ण ध्यान रखा जाए।
11. महिला मंडल अपने क्षेत्रीय प्रभारी से निरंतर सम्पर्क में रहे और अपने कार्यों की सूचना दें और सहयोग एवं मार्गदर्शन प्राप्त करें।
12. रिपोर्ट फार्मेट भरते समय पूर्ण प्रामणिकता का परिचय दें।
13. प्रत्येक बहन शनिवार सायं 7 से 8 सामायिक करने का लक्ष्य रखे एवं समस्त परिवारजनों को भी प्रेरित करें।
14. शाखा मंडल अपना वार्षिक प्रतिवेदन पुस्तक या पत्रिका के रूप में प्रिन्ट ना करें।
15. कन्या मंडल के कार्य महिला मंडल की जानकारी में ही सम्पादित हो। प्रत्येक महिला मंडल अपने कन्या मंडल को पूर्ण सहयोग दें।
16. आपके सुझाव एवं एड्रेस में परिवर्तन तथा नारीलोक संबंधित जिज्ञासा के लिए संपर्क करें :-
    भाग्य श्री कच्छारा - 9619927369 सुमन नाहटा (लाडनूं) - 9314206965

शाखा मंडलों के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मंत्री की सूची नारी लोक के अगले अंक में प्रकाशित की जायेगी।

चर्चा-परिचर्चा

बहिनों ! Empowerment यात्रा का अगला पड़ाव है -

M aximise / inimise / aintain

Maximise
Minimise
Maintain

नये युग में बढ़ायें कदम
Move ahead in New Era

Maximise क्या बढ़ायें ?

आंतरिक सौंदर्य :

- प्रतिदिन योगासन, ध्यान, प्राणायाम आदि के माध्यम से

बाह्य सौंदर्य :

- वेशभूषा में विवेक
- प्रसाधन सामग्री के प्रयोग में सावधानी

Minimise क्या घटायें ?

आडम्बर

- प्रदर्शन दिखावा, रूढ़िवादिता, संग्रह की प्रवृत्ति इत्यादि

आकांक्षाएं

- व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, व्यावसायिक इत्यादि

Maintain क्या बनाये रखें ?

रिश्तों में संतुलन

- रिश्तों का उतरता चढ़ता ग्राफ, कैसे करें इंसाफ ?

स्वास्थ्य में संतुलन

- जैसा अन्न वैसा मन, खान-पान में हो नियमन

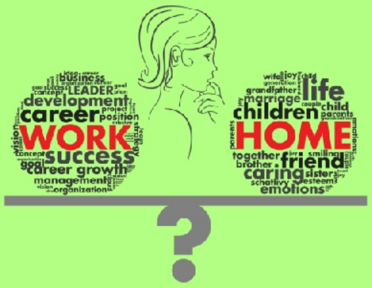

यदि इच्छा सीमित नहीं, बढ़ता जाय विकार।
स्वारथ अगवानी करे, ईर्ष्या खोले द्वार ।।

अनासक्ति की अनुप्रेक्षा करें

''व्यक्तित्व का असली श्रृंगार - सम्यक् आचार, विचार, व्यवहार''

इस विषय पर एक सर्वश्रेष्ठ विचार 200 शब्दों में खिलकर 30 दिसम्बर तक अध्यक्षीय कार्यालय में भेजें।

इस माह का संकल्प - ॐ ह्रीं श्रीं पार्श्वनाथाय नमः का प्रतिदिन 27 बार जप करें

बेटियों के बढ़ते कदम - फैलाए विकास के परचम

प्यारी बेटियों,

जीवन की निरंतर चलने वाली यात्रा में कुछ पल विश्राम के जरूरी होते है। विश्राम अर्थात अगतिशीलता नहीं अपितु किये गये कार्यो की समीक्षा के चिंतन और मनन के पल। अतीत का अवलोकन कर यात्रा के अगले पड़ाव के लक्ष्य निर्धारण का पल। हमेशा की तरह हमारे जीवन से एक वर्ष विदा लेने की तैयारी में है और नया वर्ष 2018 आगमन हेतु दस्तक दे रहा है। दिसम्बर का महीना बीते कल की समीक्षा का एवं आने वाले कल की नयी उम्मीदों के आगमन का है। आओ नई उम्मीदों के साथ नये वर्ष के स्वागत की तैयारी करें।

उम्मीदों का उजाला रोशनी से कम नहीं होता
बढ़े चलिये, अंधेरो में ज्यादा दम नहीं होता।

आपकी दीदी
मधु देरासरिया
देवेन्द्र जैन, 5/सी, मेघसर्मन एपार्टमेंट, टॉवर नं. 1
तेरापंथ भवन के पास, सिटी लाइट, सूरत, गुजरात

Personality Development Workshop

जीवन को संवारे - व्यक्तित्व को निखारें

प्रशिक्षण के बिन्दु

- धर्म स्थान में हमारी वेशभूषा शालीन हो
- प्रबुद्धता के साथ आध्यात्मिकता भी बनी रहे।
- जीवन में सदा के लिए जैनत्व के संस्कार बने रहें।

विशेष निर्देश

- कन्याएं 'जागो जागो कन्याओं'.....(संकल्प गीत)को कंठस्थ करें एवं प्रत्येक कार्यक्रम का शुभारंभ इस गीत से करे।

नवम्बर महिने में ''खोजे पायें तत्त्व-महान आगाम का हो अनुसंधान'' प्रतियोगिता दी गई थी। उसे आयोजित कर प्रथम तीन परिणाम 15 दिसम्बर तक राष्ट्रीय संयोजिका को भेजे।

- 7 दिसम्बर 2017 को आचार्य श्री तुलसी के दीक्षा दिवस के उपलक्ष में अधिक से अधिक भाई-बहन, कन्या-किशोर व बालक-बालिकाएं एक प्रहर का चौविहार त्याग करें।
- 12 दिसम्बर 2017 को विशेष तप अनुष्ठान के साथ भगवान पार्श्वनाथ का जप करें।
- 1 जनवरी 2018 को नववर्ष के उपलक्ष में पूरे देश भर में एक साथ अधिक से अधिक नवकारसी का प्रत्याख्यान हो।
- 31 दिसम्बर 2017 रात्रि 12.00 बजे से 1 जनवरी 2018 को प्रातः नवकारसी आने तक चौविहार त्याग ही नवकारसी के अन्तर्गत मान्य होगा

रास्ते की सेवा - भावना

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 11 नवम्बर से रास्ते की सेवा का उपक्रम सुचारू रूप से चल रहा है। परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमण जी के शुभ आशीर्वाद एवं श्रद्धेया महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्री जी की कृपा से कर्म निर्जरा के इस उपक्रम से हमें जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। अतः आप सभी शाखा मंडलों की बहनों से विनम्र अनुरोध है कि सेवा के इस महायज्ञ में जुड़े और गुरु सन्निधि का लाभ उठावें। प्रत्येक शाखा मंडल 4 से 5 बहनों के समूह में आकर 7 दिन सेवा प्रदान करें। शाखा मंडल अपनी सुविधानुसार रास्ते की सेवा के लिये नाम लिखवा दें।

राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती शोभा दुगड़ के निर्देशन में श्रीमती लीना दुगड़, श्रीमती कमला छाजेड़ एवं श्रीमती विमला पटावरी द्वारा शुभारंभ किया गया।

नवंबर के दूसरे सप्ताह में साउथ कोलकत्ता महिला मंडल से डॉ. पुखराज सेठिया (रा.का.स.), डॉ वीना श्यामसुखा, श्रीमती जतन श्यामसुखा, श्रीमती मनीषा जैन ने सेवा दी।

तीसरे सप्ताह में मध्य कोलकत्ता से श्रीमती बसंती बोहरा, श्रीमती नीलम लूणिया, श्रीमती गुलाब पटावरी, श्रीमती सरोज बैद, श्रीमती निर्मला श्यामसुखा ने अपनी सेवाएं प्रदान की है। सभी बहनों को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से साधुवाद।

नाम देने हेतु निम्न बहनों से सम्पर्क करें :

निर्देशिका
श्रीमती शोभा दुगड़
+91 98313 00006

संयोजिका
श्रीमती कांता तातेड़
+91 98206 48887

श्रीमती लीना दुगड़
+91 98307 58882

आचार्य महाश्रमणजी की अहिंसा यात्रा का संभावित कार्यक्रम कोलकाता से चैन्नई

दिनांक	स्थान	किमी.	दिनांक	स्थान	किमी.
5 नवम्बर	दमदम मोड़	10	27 नवम्बर	कल्याणपुर	13.5
6 नवम्बर	बाली	13.2	28 नवम्बर	काडाडील	14.2
7 नवम्बर	डानकुनी	13.9	29 नवम्बर	ध्वजाडीह	8.2
8 नवम्बर	सिन्गुर	12.8	30-3 दिसम्बर	सम्मेदशिखर जी	15.8
9 नवम्बर	महेशपुर	14.5	3 दिसम्बर	ध्वजाडीह	15.8
10 नवम्बर	आबुझाटी	15.8	4 दिसम्बर	हरना	15.5
11 नवम्बर	आझापुर	10.6	5 दिसम्बर	लोहापीढ़ी	10.7
12 नवम्बर	शक्तिगढ़	13.0	6-8 दिसम्बर	चास-बोकारो	15.1
13 नवम्बर	तेजगंज	12.3	9 दिसम्बर	काशीझरिया	14.5
14 नवम्बर	कुलगरिया	14.5	10 दिसम्बर	बोर्डर	13.9
15 नवम्बर	भासापुर	14.5	11 दिसम्बर	पुरूलीया	14.8
16 नवम्बर	बुदबुद	9	12 दिसम्बर	कान्टाडीह	15.8
17 नवम्बर	पानागढ़	10	13 दिसम्बर	बलरामपुर	14.2
18 नवम्बर	राजाबान्ध	8.5	14 दिसम्बर	रघुनाथपुर (निमडीह)	15.2
19 नवम्बर	दुर्गापुर	14.6	15 दिसम्बर	चंडिल	12.1
20 नवम्बर	लक्ष्मीपर	14	16 दिसम्बर	कान्द्रा	12.7
21 नवम्बर	बोगर	15	17 दिसम्बर	घमरिया	10
22 नवम्बर	आसनसोल	10	18 दिसम्बर	जुसलाई टाटानगर	10
23 नवम्बर	आसनसोल	14	19 दिसम्बर	गितीलता	14
24 नवम्बर	मैथन	14	20 दिसम्बर	हंसेडा	13.7
25 नवम्बर	राकलानी (निरसा)	13.5	21 दिसम्बर	बड़ा डालीमा	14.7
26 नवम्बर	गोविन्दपुर	15.5	22 दिसम्बर	बासंगी	13

23 दिसम्बर	रायरंगपुर	15
24 दिसम्बर	हरबदरा	10
25 दिसम्बर	पडिया	10
26 दिसम्बर	जसीपुरा	15
27 दिसम्बर	गिढ़ीबास	15
28 दिसम्बर	करंजिया	14
29 दिसम्बर	खाजूरिदिहा	12
30 दिसम्बर	बड़ा धनंजया	15.5
31 दिसम्बर	गदाधर	15.5
1 जनवरी	बाली जोडी	12.5
2 जनवरी	कालीमाटी	14.5
3 जनवरी	सालपदा	15
4 जनवरी	रामचन्द्रपुर	14.5
5 जनवरी	जाजपुर रोड़	13.5
6 जनवरी	गोलाइपुर	15
7 जनवरी	कुआखिया	12.5
8 जनवरी	नेवलपुर	15
9 जनवरी	छतिया	14
10 जनवरी	टान्गी	13
11 जनवरी	जगतपुर	13
12 जनवरी	तेलन्गापेठ	14.5
13-17 जनवरी	भुवनेश्वर (वर्ध. महो.)	15
18 जनवरी	पहाल	8
19 जनवरी	गोपालपुर	13
20-25 जनवरी	कटक (मर्यादा महो.)	8
26 जनवरी	कटक बहार	1
27 जनवरी	मुंडली	14
28 जनवरी	राजनगर	12.6
29 जनवरी	शंकरपुर	13
30 जनवरी	सीमली पटना	15.5
31 जनवरी	मंडानाली	11.5
1 फरवरी	सातमाईल	13.6
2 फरवरी	कुरमीठा	11
3 फरवरी	मनतल्ला	13
4 फरवरी	बडकेरा	13
5 फरवरी	जरापड़ा	15
6 फरवरी	कतड़ा	9
7 फरवरी	हन्डप्पा	16
8 फरवरी	नागची	13
9 फरवरी	बामूर	14
10 फरवरी	लुहापंक	12
11 फरवरी	बडबहाल	13
12 फरवरी	कदलीगड़	10
13 फरवरी	टेभापढ़ार	16.3
14 फरवरी	जटेसिंह	14
15 फरवरी	भुद्दोवर	15.3
16 फरवरी	झींकी	13
17 फरवरी	सियालजूरी	12.5
18 फरवरी	बैरासर	14
19 फरवरी	मलमुण्डा	15
20 फरवरी	बलांगीर	7
21 फरवरी	धोबा	14.5
22 फरवरी	चुडापली	9
23 फरवरी	रामपुर	15.5
24 फरवरी	गोहिरा मुंडा	11
25 फरवरी	बेलपाडा	14.8
26 फरवरी	कानुत	8
27-28 फर. 1 मार्च	कांटाबांजी (होली)	12
2-3 मार्च	बगुमुंडा	15.
4 मार्च	सिंधीकेला	14.1
5 मार्च	कुरसुड	7
6 मार्च	बोरडा	5
7 मार्च	सिंधीकेला	12
8 मार्च	बथरला	14
9-11 मार्च	टिटिलागढ़	12.7
12 मार्च	तरासींघा	14.4
13 मार्च	बेलगांव	7.2
14 मार्च	कसुरपाडा	11.4
15-17 मार्च	केसिंगा	8.2
18 मार्च	उत्केला	11.4
19 मार्च	पास्तीगुड़ी	10.1
20 मार्च	भवानीपटना	14
21 मार्च	देपुर	13.1
22 मार्च	सनातपुर	8.2
23 मार्च	सिकेरकुपा	11
24 मार्च	अम्बादुल्ला	13.8
25 मार्च	दहीखाल	14.6
26 मार्च	मुनिगुडा	10
27 मार्च	बिसम कटक	15.4
28 मार्च	गोदगुडा	13
29 मार्च	बडीगांव (महावीर जयंती)	10.7
30 मार्च	जे.के.पुर	12.6
31 मार्च	रायगडा	11
1 अप्रैल	जीमडीपेटा	15.6
2 अप्रैल	रामभद्रपुरम	13.6
3 अप्रैल	कोटीपम	10.2
4 अप्रैल	पार्वतीपुरम	13.9
5 अप्रैल	चाइना भोगली	12.8
6 अप्रैल	बौबली	10.2
7 अप्रैल	रामचन्द्रपुरम	12.3
8 अप्रैल	मारदम	11.7
9 अप्रैल	गजपतिनगरम्	13.3
10 अप्रैल	गोतलाम	15.2
11-12 अप्रैल	विजयनगरम्	6.8

13 अप्रैल	दुपेटा	12.1
14 अप्रैल	पादीप्लेम	14.4
15 अप्रैल	मदुरवाडा	12.4
16–25 अप्रैल	विशाखापट्टनम् अक्षय तृतीया, जन्मोत्सव पट्टोत्सव	12.5
26 अप्रैल	मेरीप्लेम	10.7
27 अप्रैल	कुर्मानप्लेम	13.5
28 अप्रैल	कोटरू	12
29 अप्रैल	कासीमकोटा	13.9
30 अप्रैल	अत्छूतापुरम्	14
1 मई	पुरुषोथापुरम्	13
2 मई	पेडागुम्मुलूरू	11.8
3 मई	वेमपदू	10.3
4 मई	तुनी	15
5 मई	अन्नावरम	14.5
6 मई	सीतामपेट	11.3
7 मई	गोलापरूल्लु	15.3
8 मई	पी.वेंकटपुरम	12
9 मई	काकीनाडा टाउन	13.7
10 मई	सामलेकोट	14.8
11 मई	सुरमाप्लेम	11.6
12 मई	रंगमपेट्टा	8.5
13 मई	लक्ष्मीपुरम	13
14 मई	राजमुन्दड़ी बाहर	10.5
15–16 मई	राजमुन्दड़ी टाउन	7
17 मई	कोवूर	9.7
18 मई	गौरीपटनम्	12.4
19 मई	येन्प्रदागुडेम	13.6
20 मई	लाल्लाजेरला	13
21 मई	गोपालपुरम्	15.7
22 मई	कोठागुडेम	10.9
23 मई	इलुरू	11.1
24 मई	भोगोपुरम	14
25 मई	हनुमान जंक्शन	12
26 मई	अटकुरु	14
27 मई	विजयवाड़ा बाहर	14.4
28–19 मई	विजयवाड़ा	7.5
30 मई	विजयवाड़ा बाहर	16
31 मई	नम्बुरु	10
1 जून	गुन्टुर	12.8
2 जून	चिन्नाकालुरीपेट	14.4
3 जून	इद्दालापादु	14.3
4 जून	चिलाकालुरीपेट	11.2
5 जून	मारटूर	15
6 जून	कानान्की	10.2

7 जून	मुणवरम्	10.5
8 जून	मेदारामेटला	13.7
9 जून	मडीपाडु	15.5
10 जून	ओंगोले	14.1
11 जून	पेल्लूरू	13
12 जून	वलीतेरीपाडु	12.8
13 जून	सिन्गरकोन्दा	11
14 जून	उलावपादु	12.3
15 जून	तेतू	12.5
16 जून	गुडरापेडु	10.2
17 जून	मुनसुर	10.9
18 जून	तिप्पा	13
19 जून	रच्चपाडु	13.8
20 जून	नेलूरे	13
21 जून	चितोरडी पल्लेम	13.9
22 जून	काकुतुर	11.7
23 जून	कोनुपुरू	7
24 जून	मुनुबोले	11.7
25 जून	चिल्लाकुमर	8.5
26 जून	वकाटिवरी खण्डरीका	12.2
27 जून	नाडुपेट	11.3
28 जून	डोरावटी सत्रम्	13
29 जून	कृष्णा रेडडीधेरलु	13
30 जून	ताडा	14.2
1 जुलाई	आरम्बकरम्	9.8
2 जुलाई	चिनलाकुप्पम	13.5
3 जुलाई	कवाराईपेटी	8.6
4 जुलाई	पोनेरी	12
5 जुलाई	मिंजूर	8
6 जुलाई	मनाली	14
7 जुलाई	तण्डियारपेट	7.5
8 जुलाई	नेहरू स्टेडियम	6
9–10 जुलाई	साहुकारपेट	1.5
11–12 जुलाई	ट्रिप्लीकेन	4.9
13 जुलाई	अलवारपेट	4.5
14 जुलाई	पल्लावरम्	15
15 जुलाई	टी.नगर	13
16 जुलाई	अमंजीकरे	5.6
17 जुलाई	अन्नानगर	2.5
18 जुलाई	किल्पोंक	3.8
19 जुलाई	पुरषवाक्कम	1.5
20 जुलाई	पट्टावलम	4
21 जुलाई	माधावतरम	5
	चातुर्मासिक प्रवेश प्रातः 8.21	

गुरु चरणों से हुआ उन्नयन कार्यशाला का आगाज

दिनांक 29-30 अक्टूबर 2017, परम पूज्य आचार्य प्रवर की पावन सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में राष्ट्रीय कार्यसमिति की प्रथम बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यशाला ''उन्नयन **Be Progressive Be Energetic**'' का परम पूज्य गुरुदेव के पावन मंगलपाठ से शुभारम्भ हुआ।

सर्वप्रथम आर्ट एकर, राजरहाट के प्रांगण में स्वागत एवं परिचय सत्र का आयोजन किया गया।

प्रथम सत्र में समणी पुण्यप्रज्ञा जी के सुमधुर मंगलस्वरों के साथ सत्र प्रारम्भ हुआ। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने पूरी टीम का अभिनन्दन किया। समणी डॉ. प्रतिभा प्रज्ञा जी ने प्रशिक्षण देते हुए फरमाया कि ''हमें अपनी शक्ति का गोपन न करते हुए उसका उर्ध्वारोहण करना चाहिए'' साथ ही समणी जी ने ''चौबीसी स्तवन'' पर बल देते हुए -''सिध साधु पणमी करी, ऋषभादिक चौबीस, स्तवना करूं प्रमोद धरि, जय जश कर जगदीश'' के बीज मंत्र का प्रतिदिन स्मरण करने की प्रेरणा प्रदान की। महामंत्री नीलम सेठिया द्वारा आभार व्यक्त किया गया। दोपहर के सत्र में प्रधान ट्रस्टी सायर बेंगाणी, ट्रस्टी शांता पुगलिया, पूर्वाध्यक्ष पुष्पा बैंगाणी द्वारा ''आओ जाने संविधान'' पर सटीक प्रशिक्षण दिया गया। सहमंत्री विजयलक्ष्मी भूरा द्वारा संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी गई। महिला मंडल की आध्यात्मिक पर्यवेक्षक शासन गौरव साध्वी श्री कल्पलताजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में फरमाया कि हम आध्यात्मिक संस्था से जुड़े हैं तो हमारी कोशिश रहे कि हमारे राग-द्वेष पतले हो और हमारा सम्यक्त्व दृढ़ रहे, हम संघ एवं संस्था के सजग प्रहरी बने। तत्पश्चात् पूज्य प्रवर से मंगलपाठ श्रवण कर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल 2017-19 की कार्यसमिति की प्रथम बैठक आर्ट एकर के प्रांगण में सानंद सम्पन्न हुई।

उन्नयन कार्यशाला के द्वितीय दिवस में प्रवचन के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने बैठक में पारित किये गए बिन्दु एवं भावी योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी पूज्य प्रवर के श्री चरणों में प्रस्तुत की। ''बाल दिवस'' पर स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत - बाल स्वच्छता अभियान : ''निर्माण'' पोस्टर को महामंत्री नीलम सेठिया द्वारा श्री चरणों में निवेदन किया गया। दूसरे सत्र में ट्रस्टी सूरज बरड़िया ने संघ की रीति - नीति समझाते हुए 'कुशल कार्यकर्ता का निर्माण कैसे हो' विषय पर प्रशिक्षण दिया। महामंत्री नीलम सेठिया द्वारा ''आईडिया फोरम'' सत्र में संस्था की विभिन्न योजनाओं को विस्तार देने हेतु ग्रुप डिस्कशन करवाया, जिसमें 5 ग्रुप के माध्यम से अनेकों नए विजन सामने आए। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा द्वारा ''बने श्रावक कार्यकर्ता'' विषय पर प्रशिक्षण देते हुए बताया कि श्रावकत्व एवं नेतृत्व का संगम ही संस्था को ऊँचाइंया दे सकता है।

प्रशिक्षण के पश्चात् राष्ट्रीय कार्यसमिति ने मुख्य नियोजिका साध्वी श्री विश्रुतविभाजी एवं साध्वीवर्याजी के दर्शन कर आगामी कार्यकाल हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने मुख्य नियोजिका जी के संयम पर्याय की रजत जयंती की मंगल कामना प्रेषित की।

सायंकालीन सत्र में मातृहृदया साध्वी प्रमुखा श्री जी ने मंगल पाथेय प्रदान करते हुए फरमाया कि संस्था का हर कार्यकर्ता सेवक बनकर संस्था को ऊँचाइयां प्रदान करें। मंजिल की दिशा में निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। बाल स्वच्छता अभियान का 'निर्माण' पोस्टर साध्वी प्रमुखा श्री जी के चरणों में निवेदन किया। मातृहृदया साध्वी प्रमुखाश्रीजी का मार्गदर्शन, प्रेरणा पाथेय पाकर पूरी कार्यसमिति कृतकृत्य हुई।

महिला मंडल की आध्यात्मिक पर्यवेक्षक साध्वी श्री कल्पलता जी ने अपने मंगल उद्बोधन में फरमाया कि, ''हर कार्यकर्ता संघ एवं संघपति के प्रति पूर्ण समर्पित होकर संस्था को स्वस्थ, शालीन एवं सुदृढ़ बनायें। साथ ही साथ बहनों को विकास के शिखर पर आरोहण करने की प्रेरणा दी।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने कार्यसमिति के सभी सदस्यों का दायित्व - आबंटन के साथ परिचय करवाया। महामंत्री नीलम सेठिया द्वारा कृतज्ञ भावों के साथ आभार व्यक्त किया गया। ऊँचे लक्ष्य की ओर अग्रसर होने की संभावनाओं के साथ दो दिवसीय उन्नयन कार्यशाला का समापन हुआ।

बंगाल के गवर्नर से अभातेममं के पदाधिकारियों की भेंटवार्ता

अहिंसा यात्रा के प्रवर्तक आचार्य श्री महाश्रमणजी के आशीर्वाद के साथ ही ''उन्नयन'' कार्यशाला का आगाज वेस्ट बंगाल के राज्यपाल महामहिम माननीय श्रीमान केशरी नाथ त्रिपाठी के समक्ष राजभवन से हुआ। चीफ ट्रस्टी सायर जी बैंगानी, राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा, महामंत्री नीलम सेठिया, ट्रस्टी सूरज बरड़िया ने संस्था की योजनाओं से अवगत करवाया। महामहिम राज्यपाल संस्था की गतिविधियों को जानकर अभिभूत हुए और आओ चले गाँव की ओर योजना पर कार्य करने हेतु बल दिया एवं इस योजना को और प्रबल बनाने के गुर बताए। निर्माण योजना की भूरी भूरी प्रशंसा की।

राजभवन में लगभग 40 मिनिट की मीटिंग के पश्चात् महामहिम ने शुभकामना संदेश एवं स्वलिखित काव्य संग्रह अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदान किया। इस मीटिंग में प्रचार प्रसार मंत्री प्रभा घोड़ावत की अहम् भूमिका रही। महामहिम के साथ हुई मीटिंग में ट्रस्टी प्रकाश तातेड़, सौभाग बैद, मधु दुगड़, निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना बैद, कोषाध्यक्ष सरिता डागा एवं सहमंत्री रंजु लूणिया की गरिमामय उपस्थिति रही।

दूरदर्शन चैनल के प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में तेरापंथ महिला मंडल की सहभागिता

दूरदर्शन जयपुर केन्द्र के साप्ताहिक धारावाहिक ''प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम'' में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के साथ तेरापंथ महिला मंडल सी-स्कीम एवं तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर की बहनें उपस्थित हुई। इस ज्ञानवर्धक कार्यक्रम में लगभग 150 महिलाओं ने भाग लिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री के साथ श्रीमती अंजू दुगड़ एवं श्रीमती मंजु हीरावत के साथ सभी बहनों ने समवेत स्वरों से नमस्कार महामंत्र का संगान किया।

दूरदर्शन चैनल के जाने माने ऐंकर श्री महेन्द्र सुराणा ने शुरुआत में देश की वर्तमान स्थिति तथा स्वच्छता अभियान एवं महिला सशक्तिकरण के विषय में संक्षिप्त विचार रखे एवं उपस्थित बहनों से स्वच्छ भारत अभियान, भ्रूणहत्या एवं लिंगानुपात से सम्बन्धित अनेक प्रश्न पूछे जिनका बहनों ने बखूबी जवाब दिया। बहनों ने सुमधुर आवाज में महाश्रमणी जी द्वारा रचित गीतिका ''हो संकल्प सत्यं शिव सुंदर'' गीत की प्रस्तुति दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने संस्था की भावी योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी दी। स्थानीय दोनों अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चौपड़ा (सी-स्कीम) एवं श्रीमती मधु श्यामसुखा (शहर) ने भी जयपुर की गतिविधियों से अवगत करवाया। श्री महेन्द्र जी सुराणा का स्मृति चिन्ह प्रदान कर आभार ज्ञापित किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजना में ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद एवं जयपुर सी-स्कीम की अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चौपड़ा का सराहनीय योगदान रहा। केसरिया परिधान में दूरदर्शन का सेट मानो केसरिया होता प्रतीत हुआ। जयपुर की केसरिया शक्ति ने मानो स्वच्छ भारत योजना को अपने जीवन में उतार लिया हो। इस कार्यक्रम में ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद, उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, सहमंत्री श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा की गरिमामय उपस्थिति रही।

फिजियोथैरेपी सैंटर का शुभारम्भ

जयपुर शहर - शासन स्तम्भ मंत्रीमुनि प्रवर के अणुविभा में मंगल पाठ श्रवण कर, प्रेम निकेतन आश्रम में जयपुर शहर महिला मंडल द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का विधिवत उद्घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा, महामंत्री नीलम सेठिया, भाजपा महिला मोर्चा उपाध्यक्ष स्वाती परनामी द्वारा किया गया । सेन्टर के संचालन हेतु आवश्यक सभी मशीनों के साथ साथ सभी तरह की सुविधाओं का ख्याल रखा गया है।

उद्घाटन समारोह में सहयोगी आशा नीलू टांक, चंद्रबाला जी परनामी, जयपुर सभाध्यक्ष दौलत जी डागा, मंत्री पन्नालाल जी पुगलिया आदि सभी संस्थाओं के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। जयपुर शहर महिला मंडल की अध्यक्ष मधु

श्यामसुखा एवं मंत्री शकुंतला चोरड़िया ने आगंतुकों का अभिनन्दन किया। कार्यक्रम में अभातेममं ट्रस्टी सौभाग बैद, उपाध्यक्ष पुष्पा बैद, कोषाध्यक्ष सरिता डागा, सहमंत्री विजयलक्ष्मी भूरा, रा. का. स. विमला दुगड़ की गरिमामय उपस्थिति रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री ने कहा कि सेवा कार्य का यह उपक्रम निष्पत्तिजनक हो। सभी गणमान्य व्यक्तियों ने अपने उद्‌गार व्यक्त किये। संचालन श्रीमती गुलाब बोथरा ने किया। इस कार्यक्रम में श्रीमती बिमला दुगड़ की अहम् भूमिका रही।

जयपुर सी–स्कीम – शासन श्री साध्वी श्री अमित प्रभा जी के मंगल पाठ के पश्चात्, जयपुर सी–स्कीम महिला मंडल द्वारा आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्‌घाटन राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री द्वारा किया गया। अभातेमम कोषाध्यक्ष सरिता डागा, सहमंत्री विजयलक्ष्मी भूरा, स्थानीय अध्यक्ष सुशीला चौपड़ा, मंत्री कनक दुधोड़िया आदि बहिनों की उपस्थित रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मंडल को बधाई प्रेषित की। इस अवसर पर श्रीमती मुकुलिका जी बैद का श्रम मुखरित हुआ। मंगल भावना के साथ उद्‌घाटन सानंद सम्पन्न हुआ।

आओ चले गाँव की ओर शिक्षा से ही होगी उजली भोर

जयपुर सी–स्कीम – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित ''आओ चले गाँव की ओर'' में राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा एवं महामंत्री नीलम सेठिया ने दौसा जिले के जीरोता गाँव में राजकीय प्राथमिक विद्यालय का दौरा किया। स्कूल में शिक्षा एवं स्वच्छता की उजली किरण दिखाई दी। आयोजित कार्यक्रम में पूर्व जिला कलेक्टर श्रीमती प्रमिला सुराणा, जिला शिक्षा अधिकारी उपस्थित थे। स्कूल के प्राचार्य ने राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा, महामंत्री नीलम सेठिया एवं पधारे हुए सभी मेहमानों का स्वागत किया। पूर्व कलेक्टर श्रीमती प्रमिलाजी सुराणा ने कहा कि 2012 में स्कूल जीण–शीर्ण अवस्था में था और आज इसका रूपांतरण देखकर लगता है कि वास्तव में इस स्कूल ने बहुत प्रगति की है। भास्कर पेपर की न्यूज के अनुसार इसे मॉडल स्कूल के रूप में चुना गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस मॉडल स्कूल को बधाई देते हुए कहा कि – हमारा यहाँ आना सफल हुआ, स्कूल को देखकर आत्मतोष की अनुभूति हुई है, हमारे गुरु आचार्य महाश्रमण जी का भी एक अभियान है नशा मुक्त जीवन, नैतिकता और सद् भावना को इसके साथ जोड़ दो तो एक बहुत बड़ा कार्य संभव हो सकेगा। महामंत्री नीलम सेठिया ने आगे की योजना बताते हुए कहा 14 नवम्बर को ''निर्माण'' योजना का शुभारम्भ किया जायेगा जिसमें ''एक नन्हा कदम स्वच्छता की ओर'' के लक्ष्य को लेकर यह अभियान पूरे देश में मनाया जायेगा। प्रायोजक श्रीमती मुकुलिका जी बैद का स्कूल द्वारा अभिनन्दन किया गया। यूनिफार्म, शूज, स्वेटर, सॉक्स, नेइल कटर, खेल सामग्री बच्चों को वितरित की गई। स्वावलम्बन के लिए कागज के लिफाफे बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री ने बच्चों की शिक्षा हेतु एक कम्प्यूटर का भी उद्‌घाटन किया। इसके साथ ही जयपुर सी–स्कीम महिला मंडल द्वारा रावत पैलेस में भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें दौसा जिले से जुड़ी लगभग 17 स्कूलों के 1274 बच्चों में स्कूल यूनिफार्म एवं स्वेटर इत्यादि वितरित किये गये। दौसा जिले के अनेक गणमान्य प्रशासनिक अधिकारी वहाँ उपस्थित हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने देश की स्वच्छता की महत्ता को बताया। संपूर्ण कार्यक्रम की संयोजना में श्रीमती मुकुलिका बैद का श्रम मुखरित हुआ। अध्यक्ष सुशीला चौपड़ा एवं मंत्री कनक दुधोड़िया के साथ अभातेममं कोषाध्यक्ष सरिता डागा एवं सहमंत्री विजयलक्ष्मी भूरा सहित अच्छी संख्या में बहिनों की उपस्थिति रही।

आध्यात्मिक आयोजन में सहभागिता

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का प्रतिनिधित्व करते हुए उपाध्यक्ष पुष्पा बैद एवं कोषाध्यक्ष सरिता डागा ने कालू में साध्वीश्री उज्जवल रेखा जी के सान्निध्य में श्रद्धेय साध्वीश्री बिदामांजी के 100वें वर्ष के उपलक्ष में आयोजित गरिमामय कार्यक्रम में अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। इस भव्य कार्यक्रम में साध्वीश्री जी की अभिवंदना में काफी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित हुए। कालू के श्रावक समाज का उत्साह अपनी चरम सीमा पर था। अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए पुष्पा जी बैद ने साध्वीश्री बिदामांजी के स्वास्थ्य की मंगल कामना की। सरिताजी डागा ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से मंगल कामना प्रेषित की।

ओडिशा स्तरीय आंचलिक कार्यशाला का आयोजन - काँटाबांजी

महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि श्री अर्हत् कुमारजी ठाणा-2 के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में ओडिशा स्तरीय महिला मंडल और कन्या मंडल की आंचलिक कार्यशाला ''उन्नयन'' का सफल आयोजन तेरापंथ महिला मंडल कांटाबांजी द्वारा ओंकारमल भवन में दिनांक 1 नवम्बर को किया गया। दोपहिया वाहन रैली में जय जय महाश्रमण के उद्घोष को गुंजायमान करती महिला शक्ति उन्नयन की ओर अग्रसर होती नजर आई।

मुनि श्री के द्वारा महामंत्रोच्चार के पश्चात् अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा द्वारा उन्नयन कार्यशाला की विधिवत उद्घोषणा की गई। राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य सरिता बरलोटा ने साध्वी प्रमुखा श्री जी के संदेश का वाचन किया। कांटाबांजी महिला मंडल मंत्री स्मिता जैन, कन्या मंडल संयोजिका उमा जैन, सभा अध्यक्ष श्री रायचंदजी, तेयुप अध्यक्ष श्री विकास जैन ने राष्ट्रीय नेतृत्व और उनकी टीम का भावभरा स्वागत करते हुए कहा परम पूज्य गुरुदेव के उत्कल पदार्पण पर महिला मंडल कुछ ठोस कार्य करके दिखायें, इसलिए राष्ट्रीय नेतृत्व से सभी ऊर्जा प्राप्त करें।

कन्या मंडल राष्ट्रीय संयोजिका मधु देरासरिया ने ओडिशा के प्रत्येक क्षेत्र में कन्या मंडल के गठन पर जोर दिया। कन्याओं की अलग एक मोटिवेशनल क्लास ली गई तथा केन्द्र की योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी दी गई। ऊर्जा सत्र को संबोधित करते हुये राष्ट्रीय महामंत्री नीलम सेठिया ने बहनों को प्रेरणा दी कि परिश्रम और आत्मबल से अपने अंदर की ऊर्जा का उन्नयन करना है। अपनी अन्तर्निहित शक्तियों को पहचान कर हमें सभी क्षेत्रों में विकास करना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने अपनी शाखाओं को आह्वान किया नये केलेन्डर के नये पन्ने पर नया इतिहास रचना है। साहस, सहनशीलता और सृजनशीलता से उन्नयन करना है। सादगीमय वातावरण में संघीय कार्यक्रमों के आयोजन पर जोर दिया। कन्याओं और महिलाओं से निवेदन किया कि इस कार्यकाल की प्रथम आंचलिक कार्यशाला में वो ओडिशा से कुछ ऐसा उपहार ले कर जाना चाहते हैं जिसे वो गुरु चरणों में भेंट कर सकें। कोलकाता चातुर्मास के उपरांत गुरुदेव उत्कल पधार रहे हैं, कन्या मंडल से कोई वैरागी बहन तैयार होती है, तो ओडिशा के लिए अति गौरव की बात होगी। तत्वज्ञान, कंठस्थ ज्ञान, आंयबिल तप, सामायिक संकल्प, स्वच्छता अभियान, कन्या सुरक्षा, चौदह नियम से सभी बहनों को जुड़ने की प्रेरणा दी।

समीक्षा सत्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री तथा कन्या मंडल राष्ट्रीय संयोजिका ने सब की जिज्ञासाओं का समाधान किया। मंडल के संचालन में विभिन्न क्षेत्रों में होने वाली विभिन्न समस्याओं का निराकरण किया। समग्र ओडिशा से करीब 18 क्षेत्रों से 550 से भी अधिक बहनों एवं कन्याओं ने उन्नयन कार्यशाला में अपनी उपस्थिति दर्ज की। सभा एवं परिषद् की भी सराहनीय उपस्थिति रही। सभी क्षेत्रों को अभातेमम द्वारा प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। सभी क्षेत्र की अध्यक्षाओं ने अपने विचार रखे। कांटाबांजी महिला मंडल और कन्या मंडल द्वारा ''उन्नयन एक्सप्रेस'' कार्यक्रम की रोचक प्रस्तुति दी गयी। सिंधिकेला और बगुमुंडा कन्या मंडल ने सुमधुर गीत का संगान किया। सभी शाखा मंडलों ने अपनी प्रस्तुति दी।

मुनि श्री अर्हत कुमार जी ने कहा महिला मंडल का यह समारोह, अध्यात्म की ओर आरोहण करें। उन्होंने महिला समाज को आह्वान किया शांत, स्थिर और गंभीर बन कर अपने जीवन का उन्नयन करें। आत्मविश्वास और धैर्य के साथ जीवन में आगे बढ़े और परिवार को साथ लेकर चलें।

मुनि श्री भारत कुमारजी ने फरमाया कि कन्या मंडल और महिला मंडल सृजनात्मक कार्यों में अपनी शक्ति का नियोजन करे और उतरोत्तर आध्यात्मिक उत्थान करे। दैनिक त्याग, रात्रि भोजन, ब्रह्मचर्य की सीमा, सामायिक संकल्प आदि की भेंट राष्ट्रीय अध्यक्षा ले कर जाएँ इस कार्यशाला से तभी उन्नयन का पथ प्रशस्त होगा।

कार्यक्रम का कुशल संचालन अध्यक्ष ममता जैन ने किया। कांटाबांजी महिला मंडल का उत्साह एवं सुव्यवस्थित आयोजन सराहनीय रहा। उज्जवल भविष्य के स्वप्न संजोये काँटाबाजी महिला मंडल निरंतर आगे बढ़ रहा है। पूज्यप्रवर के शुभागमन की प्रतीक्षा में सभी शाखा मंडल पलक पावड़े बिछाकर इंतजार कर रहे हैं।

सिंधीकेला - काँटाबाजी में कार्यशाला पूर्ण कर सिंधिकेला में साध्वी श्री स्वर्णलताजी के दर्शन कर आगामी कार्यकाल हेतु पाथेय प्राप्त किया। महिला मंडल के सदस्यों का उत्साह देख प्रसन्नता हुई। साध्वीश्री जी की प्रेरणा, अध्यक्षा पुष्पा जैन एवं मंत्री सुमन जैन के नेतृत्व में सिंधिकेला महिला मण्डल विकासोन्मुख है।

परिक्रमा समाधि केन्द्र एवं सेवा केन्द्रों की

नोखा – शासन स्तम्भ श्रद्धेय मंत्री मुनि प्रवर का आशीर्वाद प्राप्त कर राजस्थान की संगठन यात्रा का शुभारम्भ नोखा से शासन गौरव साध्वी श्री राजीमति जी के दर्शन करके किया। साध्वी श्री राजीमती जी का आध्यात्मिक पाथेय प्राप्त कर नव सृजन हेतु ऊर्जा का संचार हुआ। शासन गौरव साध्वीश्री जी ने प्रवचन के दौरान फरमाया कि बहिनें त्याग, स्वाध्याय व संस्कार संपन्न बने। उपासिका व ज्ञानशाला प्रशिक्षिका बने तथा धर्मसंघ के बाहर व भीतर दोनों प्रकार में संतुलन बनाएं रखें। शासन गौरव साध्वी श्री समताश्री जी व प्रभात प्रभा जी ने भी विचार रखे। सभा के मंत्री लाभचंद छाजेड़ तथा महासभा के क्षेत्रीय प्रभारी इन्द्रचन्द बैद तथा भाई बहनों की अच्छी उपस्थिति रही। महिला मंडल अध्यक्ष वीणा भूरा तथा मंत्री प्रीति मरोठी ने स्वागत अभिनंदन किया। रा.का.स. सुधा भूरा भी उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन कुसुम छाजेड़ ने किया।

जोरावरपूरा – साध्वी श्री संयमश्री जी का प्रेरणादायी मंगल उद्‌बोधन पाकर कृतार्थ हुए। संगोष्ठी में जोरावरपुरा की बहनों ने उत्साहपूर्वक अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। अध्यक्ष सूरजी देवी पुगलिया एवं मंत्री मोनिका बुच्चा के नेतृत्व में जोरावरपुरा प्रगतिशील है।

गंगाशहर – साध्वी श्री गुणमाला जी एवं साध्वी श्री कमलप्रभा जी के सान्निध्य में जैन जीवन शैली कार्यशाला आयोजित की गई। अध्यक्ष मंजु आंचलिया एवं मंत्री संजु ललवानी के नेतृत्व में गंगाशहर महिला मंडल के कदम गतिमान है। रा.का.स. सुधा भूरा का इस यात्रा में सराहनीय योगदान रहा। गंगाशहर में बहुश्रुत मुनि श्री राजकरण जी स्वामी (ठाणा-5), मुनिश्री शान्ति कुमार जी (ठाणा-3), सेवा केन्द्र में साध्वीश्री गुणमाला जी, साध्वी कमल प्रभाजी सहित (ठाणा 22) के दर्शन कर कृतार्थ हुए। यहाँ विराजित रत्नादिक साध्वियों के दर्शन कर हृदय में आध्यात्मिक उत्थान की गूँज सुनाई दी। नैतिकता की शक्तिपीठ पर गुरुदेव तुलसी का स्मरण करते हुए महिला मंडल के कार्यों में फौलादी संकल्पों की गूंज को आत्मसात किया। शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्रीमान लुणकरण जी छाजेड़ एवं महामंत्री श्रीमान जतनलाल जी दुगड़ से भेंटवार्ता हुई। प्रतिष्ठान के पदाधिकारियों के आत्मीय आतिथ्य से अभिभूत हुए।

डूंगरगढ़ – डूंगरगढ़ में सेवा केन्द्र व्यवस्थापिका बहुश्रुत साध्वी श्री कनकश्री जी एवं साध्वी श्री प्रशमरति जी का मंगल पाथेय प्राप्त कर अभिभूत हुए। अध्यक्ष झणकार देवी बोथरा एवं मंत्री शारदा बोथरा के नेतृत्व में संस्था निरंतर गतिमान है। कन्यामंडल ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यक्रम के अंत में समस्या समाधान सत्र भी रखा गया। सदस्यों में सेवा भावना प्रबल है। कार्यक्रम में देर रात तक बहनों की उपस्थिति देख कर मन प्रफुल्लित हुआ। सेवा केन्द्र एवं समाधि केन्द्र में श्रम-श्रद्धा-भक्ति-सेवा-समर्पण देखकर हृदय में समर्पण भावना और अधिक पुष्ट हुई। साध्वी श्री जी के सान्निध्य में भाई-बहिनों ने शनिवार की सामूहिक सामायिक की।

बीदासर – समाधि केन्द्र बीदासर में साध्वी श्री बसंतप्रभाजी एवं साध्वी श्री पुण्यप्रभा जी के सान्निध्य में प्रवचन बेला में कार्यक्रम समायोजित हुआ। समाधि केन्द्र में (ठाणा 22) के दर्शन कर कृतार्थ हुए। अध्यक्ष शांति बांठिया एवं मंत्री भावना दुगड़ के कुशल नेतृत्व में बीदासर महिला मंडल आध्यात्मिकता एवं सेवा के धरातल पर विकासोन्मुख है। प्रवचन के पश्चात् मंडल की बहनों के साथ मीटिंग भी की गई, जिसमें भावी योजनाओं की जानकारी दी गई। कन्या मंडल की सराहनीय सभागिता रही।

छापर – सेवा केन्द्र व्यवस्थापक मुनि श्री तत्वरूची जी (ठाणा 5) के दर्शन किये। मुनिश्री से प्रेरक उद्‌बोधन प्राप्त किया। अध्यक्ष प्रेम देवी नाहटा एवं मंत्री रेखा दुधोड़िया के साथ पूरी छापर की सशक्त टीम के साथ मिटिंग आयोजित की गई, जिसमें गतिविधियों की एवं संस्था संचालन की जानकारी दी गई। कन्या मंडल की सराहनीय उपस्थिति रही। डूंगरगढ़ से श्रीमती अमराव सिंघी एवं श्रीमती बबिता पुगलिया भी लाडनूं तक यात्रा में साथ रही।

सुजानगढ़ – सुजानगढ़ के निकट कोठारी कुंज में मुनि श्री हिमांशु कुमार जी का पाथेय प्राप्त कर, मंगल पाठ श्रवण करने के पश्चात् सुजानगढ़ महिला मंडल के साथ संगोष्ठी आयोजित की गई। संस्थागत विभिन्न विषयों पर चर्चा परिचर्चा हुई। अध्यक्ष मधु बागरेचा एवं मंत्री रेखा राखेचा के नेतृत्व में संस्था विकासोन्मुख है। ओसवाल स्कूल में आयोजित जैन विद्या परीक्षा केन्द्र का अवलोकन भी किया। कन्या मंडल की प्रखर प्रतिभाओं से मुलाकात कर उड़ान की वास्तविक गूँज सुनाई दी।

लाडनूं – लाडनूं में विराजित मुनि श्री स्वास्तिक कुमारजी सहित (ठाणा 9) एवं सेवा केन्द्र व्यवस्थापिका साध्वी श्री पावनप्रभाजी सहित (ठाणा 10) का मंगल आशीर्वाद प्राप्त कर नव कार्यकाल हेतु नव दिशाएं उद्घाटित करने हेतु प्रेरक पाथेय प्राप्त किया। साथ ही जैन विश्व भारती प्रांगण में विराजित सभी समणी वृन्द के भी दर्शन कर लाभान्वित हुए।

जैन स्कॉलर की निर्देशिका सम्माननीय श्री मंजू जी नाहटा, सह निर्देशिका एवं अभातेममं ट्रस्टी कनक बरमेचा, उपाध्यक्ष पुष्पा बैद एवं जैन स्कॉलर कार्यशाला में उपस्थित सभी संभागी सदस्यों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री का अपने घर ''रोहिणी'' में भाव भरा स्वागत किया एवं बधाईयां प्रेषित की। स्थानीय अध्यक्ष किरण बरमेचा ने एवं मंत्री शर्मिला बोकडिया ने सभी पदाधिकारियों का स्वागत किया। स्थानीय महिला मंडल के साथ मीटिंग आयोजित की गई जिसमें अभातेममं के निवर्तमान अध्यक्ष कल्पना बैद, उपाध्यक्ष पुष्पा बैद, रा. का. स. शोभा दुगड़ भी उपस्थित रही।

राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री ने सभी शाखाओं के साथ हुई मीटिंग के दौरान संस्था संचालन एवं भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। प्रत्येक शाखा मंडल से रूबरू होकर उनकी समस्याओं को समाहित करने का प्रयास किया। संस्था की रीति-नीति, संविधान, योजना आदि सभी विषयों पर शाखा मंडलों को विस्तारपूर्वक बताया गया। शाखा मंडलों का उत्साह अपनी चरम सीमा पर था, सभी का उत्साह एवं सक्रियता देखकर मन अभिभूत हुआ। सभी शाखा मंडल संघ की गरिमा के अनुरूप कार्य करते हुए अपनी संस्था को वर्धापित कर रहे हैं।

गुजरात - अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने ट्रस्टी कनक बरमेचा, राष्ट्रीय कन्यामण्डल प्रभारी मधु देरासरिया रा.क.स. मंजु नौलखा और निधि सेखानी के साथ सूरत, उधना, परवत पाटिया व लिम्बायत की संगठन यात्रा की।

सूरत - यात्रा का शुभारम्भ सूरत से हुआ। साध्वीश्री मधुबालाजी की पावन सान्निध्य में आयोजित हुई। ''नए युग में करे प्रवेश'' कार्यशाला की शुरुआत नमस्कार महामंत्र एवं प्रेरणा गीत से हुई। मंडल अध्यक्ष सुनीता सुराणा ने स्वागत वक्तव्य दिया। साध्वीश्री जी ने फरमाया कि सकारात्मक सोच से सृजन के द्वारा खोल सकते है। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगामी कार्यकाल की सफलता की मंगल भावना प्रेषित करते हुए कहा कि कुमुद गुरु के प्रति समर्पित है। जहाँ गुरु की दृष्टि होती है वही सृष्टि होती है।

आगामी विजन की विस्तृत जानकारी देते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कार्यक्रम अध्यात्मिकता के साथ साथ सादगी भरे होने चाहिए। बहनों को विकास की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। मंत्री संगीता सिसोदिया ने कविता के माध्यम से भावना प्रेषित की। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा निर्माण पोस्टर का विमोचन किया गया। व्यावसायिक प्रशिक्षण श्रीमती मेघना सुराणा ने दिया। कार्यक्रम का संचालन पूर्णिमा गादिया ने किया। कार्यक्रम में कन्यामण्डल की भी सहभागिता रही।

लिम्बायत - अगले पड़ाव में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने लिम्बायत शाखा की सार संभाल की। कन्यामंडल की सुमधुर गीतिका के द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। लिम्बायत महिला मंडल अध्यक्ष रेखा नौलखा ने स्वागत किया, लिम्बायत सभाध्यक्ष लक्ष्मीलाल जी गोखरू व तेयुप अध्यक्ष पवन डांगी ने अभिनन्दन किया। सभी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। कन्यामंडल प्रभारी मधु देरासरिया ने कन्यामंडल की गतिविधियों के बारे में बताया और राष्ट्रीय ट्रस्टी कनक बरमेचा ने सभी महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने महिला मंडल को चारों योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। आचार्य श्री महाश्रमण जी के जन्मदिन पर ज्यादा से ज्यादा आयंबिल करने की प्रेरणा दी। लिम्बायत जैसे नवीन क्षेत्र के उत्साह एवं सक्रियता की सराहना की। कन्यामंडल की भी सहभागिता रही। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या निधि सेखानी एवं मंजू नौलखा ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मंजु सिंघवी एवं आभार ज्ञापन मंत्री निर्मला रांका ने किया। कन्यामंडल द्वारा गीतिका की सुन्दर प्रस्तुति की गयी।

परवत पाटिया - संगठन यात्रा के अगले पडाव परवत पाटिया में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उनकी टीम का भावभरा स्वागत किया गया। कन्यामंडल एवं महिला मंडल ने प्रेरणा गीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पर्वत पाटिया अध्यक्ष श्रीमती मनोज गंग ने सबका स्वागत किया। कन्यामंडल प्रभारी मधु देरासरिया ने कन्यामंडल की गतिविधियों के बारे में एवं ट्रस्टी कनक बरमेचा ने पर्वत पाटिया के बारे में जानकारी दी और आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने महिला मंडल को आचार्य श्री महाश्रमण जी के जन्मदिन पर ज्यादा से ज्यादा आयंबिल करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि बहनों को आध्यात्मिक पृष्ठभूमि को मजबूत बनाना होगा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती कुसुम बोथरा एवं आभार ज्ञापन मंत्री चंद्रकला कोठारी ने किया। कन्यामंडल की भी सहभागिता रही।

उधना - राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा, राष्ट्रीय कन्या प्रभारी मधु देरासरिया, रा. का. स. निधि सेखानी अपनी संगठन यात्रा के अगले पड़ाव में उधना पहुँची। उधना महिलामण्डल एवं कन्यामंडल एवं सम्पूर्ण उधना श्रावक समाज राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन पर हर्षित और प्रफुल्लित हुआ। कार्यक्रम की शुभ शुरूआत प्रेरणा गीत के द्वारा महिला मण्डल की बहनों ने की। कन्या मंडल ने द्वार पर रंगोली सजाकर भावभरा स्वागत किया।

महिला मंडल ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। अध्यक्ष सुनीता कुकड़ा ने पूरी टीम का स्वागत किया। उधना कन्यामण्डल

ने लिखित कविता के रूप में अपनी अभिव्यक्ति दी। तत्पश्चात अखिल भारतीय महिला मण्डल द्वारा निर्देशित प्रोजेक्ट ''निर्माण'' के बैनर का अनावरण भी राष्ट्रीय अध्यक्ष ने किया।

उधना महिला मण्डल ने 1200 सामायिक संकल्प पत्र भरवाए और इन संकल्प पत्र की किट राष्ट्रीय अध्यक्ष को भेंट की। उधना की सभा एवं युवक परिषद् के सदस्यों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। मंत्री जस्सू बाफना ने कुशल संचालन किया एवं उपाध्यक्ष सोनू बाफना ने आभार ज्ञापन किया।

पिंपरी चिंचवड़ – तेरापंथ भवन, पिंपरी – चिंचवड़ में तेरापंथ भवन के भूमिपूजन में राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा की उपस्थिति रही। लगभग 70 तेरापंथी परिवार युक्त छोटे क्षेत्र में 14000 वर्गफुट में तेरापंथ भवन का निर्माण होने जा रहा है जिसका जैन संस्कार विधि से विधिवत शिलान्यास हुआ। समणी निर्देशिका भावित प्रज्ञाजी, विपुल प्रज्ञाजी, आदर्श प्रज्ञाजी के मंगल पाथेय के पश्चात् आयोजित कार्यक्रम में समाज का उत्साह देखते ही बन रहा था। महासभा अध्यक्ष श्री किशनलालजी डागलिया, जय तुलसी फाउंडेशन के मुख्य न्यासी हीरालाल जी मालू, अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विमल कटारिया ने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा एवं परामर्शक प्रेमलता सिसोदिया ने महिला मंडल के सदस्यों के साथ हुई संगोष्ठी में संस्था की रीति नीति, संविधान, चुनाव की जानकारी दी। पूर्वाध्यक्ष लता कांकरिया ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष उषा छाजेड़ एवं मंत्री मनीषा दुधोड़िया ने उत्साह के साथ मंडल को सक्रियता देने का विश्वास जताया। पुणे से पूर्व रा.का.स. श्रीमती पुष्पा कटारिया ने भी इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

मेवाड़ - तेरापंथ के आद्य प्रणेता आचार्य भिक्षु की समाधि स्थल सिरियारी पर नतमस्तक हो अपनी भावांजली अर्पित कर राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने मेवाड़ के ऐतिहासिक स्थलों की संगठन यात्रा प्रारंभ की।

केलवा – तेरापंथ की उद्गम स्थली केलवा में विराजित शासन श्री मुनिश्री मणीलाल जी स्वामी, मुनिश्री कुशल कुमार जी के दर्शन कर आशिर्वाद प्राप्त किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा के स्वागत में सभाध्यक्ष श्री धर्मेश जी कोठारी व स्थानीय मंडल अध्यक्ष पुष्पा बोहरा पूरी टीम के साथ उपस्थित थी।

राजनगर – बोधिस्थली में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने शासनश्री जतनमलजी स्वामी व मुनि श्री आनंद कुमार जी से आशीर्वचन प्राप्त किया। स्थानीय मंडल की बहनों व कन्याओं ने सतरंगी रंगों की रंगोली बनाकर व प्रेरणा गीत के स्वरों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष का भावभरा स्वागत किया। स्थानीय अध्यक्ष सीमा धोका व रा.का.स. डॉ.नीना कावडिया अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बहनों को सौहार्द भावना से संगठन को मजबूत करते हुए मंडल को नई ऊँचाईयाँ प्रदान करने की प्रेरणा दी। पूर्व रा.का.स. मंजु बडोला की गरिमामयी उपस्थिति रही। संचालन मंत्री नीता कावडिया ने किया।

कांकरोली – राष्ट्रीय अध्यक्ष 12 वर्षों से चिरपरिचित व उनके आध्यात्मिक उन्नति में योगभूत शासन श्री साध्वी साधनाश्री जी व सहवर्ती साध्वियों के दर्शन कर आह्लादित हुई। साध्वीश्री ने उनके प्रति मंगलकामना प्रेषित की। रा.अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में चारों योजनाओं पर प्रकाश डालते हुए बहनों से सामाजिक व पारिवारीक जिम्मेदारियों में संतुलन बनाये रखने की प्रेरणा दी। स्थानीय अध्यक्ष चंदा टुकलिया ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से बहनों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। मंत्री सरोज चोरड़िया ने आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम के पश्चात् राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने मीरा नगर में विराजित तपस्वी मुनि श्री भूपेन्द्र कुमारजी के दर्शन कर मंगल पाठ सुना। तत्पश्चात् युवा गौरव श्रीपदमजी पटावरी के निवास स्थान पर बिराजित साध्वी श्री कुंदन प्रभाजी (ठाणा–5) के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मार्ग में कर्णावट मार्बल में विराजित शासन श्री साध्वी कनकश्रीजी (ठाणा–4) के दर्शन का लाभ लिया।

नाथद्वारा – श्री नाथजी की पावन धरा पर विराजित शासन श्री सुखलाल जी स्वामी, शासनश्री रविन्द्र कुमार जी स्वामी, तपोमूर्ति पृथ्वीराजजी स्वामी, मुनिश्री मोहजीत कुमार जी (ठाणा–7) के दर्शन कर राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिभूत हुई। स्थानीय मंडल उपाध्यक्ष स्नेहलता तलेसरा व सभाध्यक्ष श्री प्रकाशजी पगारिया ने स्वागत संभाषण दिया। संचालन श्रीमती सुमन कोठारी ने किया।

उदयपुर – झीलों की नगरी में राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्थानीय अध्यक्ष लक्ष्मी कोठारी, तेयुप मंत्री श्री कमलेश परमार मेवाड़ कांफ्रेस अध्यक्ष श्री राजकुमार फलावत ने भावभरा स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बहनों से आध्यात्मिक सोपान पर आरूढ़ होकर संकल्पबद्ध हो कार्यों को क्षितिज तक पहुँचाने की प्रेरणा दी। आभार श्रीमती मंजु ने ज्ञापित किया। संचालन उपाध्यक्ष सुमन डागलिया ने किया।

मेवाड़ संभाग की इस संपूर्ण यात्रा में विशेष सहयोगी बने नाथद्वारा सभा के मंत्री श्री शिवलाल जी डागलिया, श्रीमती लीला डागलिया, रा.का.स. डॉ. नीना कावडिया व लाडजी मेहता।

स्वच्छ भारत अभियान- Callertune

भारत सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान हेतु मनोनीत डॉ. मृदुला सिन्हा (महामहिम राज्यपाल, गोवा) ने अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को स्वच्छ भारत अभियान का ब्राण्ड अम्बेसडर बनाया है। आओ हम सब मिलकर इसे सफल बनायें।

* स्वच्छ भारत अभियान की Callertune के लिए Dial Airtel Code 543211 5905187, Vodafone Code 5379669564 and Follow the instruction.स्वयं अपने फोन पर लगाएं, ज्यादा से ज्यादा प्रसारित करें।

तत्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम की परीक्षाएं

आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत तेरापंथ दर्शन/तत्वज्ञान पाठयक्रम की वर्ष 2017 की परीक्षाओं हेतु 74 परीक्षा केन्द्रों से 1477 परीक्षार्थी फार्म भरे गये हैं। जिसमें 552 नये परीक्षार्थीयों ने फार्म भरे हैं।

वर्ष 2017 की परीक्षायें दिनांक 20 एवं 22 दिसम्बर 2017 तद्नुसार बुधवार और शुक्रवार को मध्यान्ह एक बजे आयोजित की जायेगी। एडमिट कार्ड व उत्तर पुस्तिकाएं सभी परीक्षा केन्द्रों में भेजे जा चुके हैं।

निवेदक	राष्ट्रीय संयोजिका
पुष्पा बैंगानी	मंजु भुतोड़िया
9311250209	9312173434

तत्वज्ञान/तेरापंथ पाठ्यक्रम प्रशिक्षण योजना तत्वज्ञ श्राविका श्रीमती रतनी देवी गोठी, श्रीमान सुमति जी गोठी एवं श्रीमती सुमन जी गोठी के आर्थिक सौजन्य से संचालित की जा रही है।

पदारोहण के पश्चात् प्रगतिपथ पर कदम बढ़ाने के लिए मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया

1.	परम पूज्य आचार्य प्रवर	कोलकत्ता
	महाश्रमणी साध्वी प्रमुखाश्रीजी	कोलकत्ता
2.	शासन स्तम्भ मंत्री मुनि प्रवर	जयपुर
3.	बहुश्रुत प्रो. मुनिश्री महेन्द्र कुमारजी	ठाणे
4.	बहुश्रुत मुनिश्री राजकरणजी स्वामी	गंगाशहर
	मुनि श्री शांति कुमारजी	
5.	शासन श्री मुनिश्री मणिलालजी स्वामी	केलवा
6.	शासन श्री मुनि श्री जतनमलजी	राजनगर
7.	तपोमूर्ति मुनिश्री पृथ्वीराजजी	नाथद्वारा
8.	मुनि श्री ज्ञानेन्द्र कुमारजी	इरोड
9.	मुनि श्री प्रशान्त कुमारजी	कोयम्बतूर
10.	मुनि श्री रमेश कुमारजी	रायपुर
11.	तपस्वी मुनि श्री भूपेन्द्र कुमारजी	राजनगर
12.	मुनि श्री तत्वरूचिजी	छापर
13.	मुनि श्री स्वास्तिक कुमारजी	लाडनूं
14.	मुनि श्री हिमांशु कुमारजी	सुजानगढ़
15.	मुनि श्री अर्हत् कुमारजी	काँटाबांजी
16.	शासन श्री मुनि श्री सुखलालजी	उदयपुर
17.	शासन श्री मुनि श्री रविन्द्र कुमारजी	
18.	शासन गौरव साध्वी श्री राजीमतीजी	नौखा
19.	बहुश्रुत साध्वी श्री कनकश्रीजी	डूंगरगढ़
	साध्वी श्री प्रशमरतिजी	
20.	शासन श्री साध्वी श्री साधनाश्रीजी	कांकरोली
21.	शासन श्री साध्वी श्री कनकश्रीजी	राजनगर
22.	शासन श्री साध्वी श्री पद्मावतीजी	भायन्दर
23.	शासन श्री साध्वी श्री सरस्वतीजी	वापी
24.	शासन श्री साध्वी श्री ललितप्रभाजी	डूंगरी
25.	शासन श्री साध्वी श्री संयमश्रीजी	जोरावरपुरा
26.	शासन श्री साध्वी श्री अमितप्रभाजी	जयपुर
27.	शासन श्री साध्वी श्री कमलप्रभाजी	गंगाशहर
28.	शासन श्री साध्वी श्री गुणमालाजी	गंगाशहर
29.	शासन श्री साध्वी श्री बंसतप्रभाजी	बीदासर
30.	साध्वी श्री पुण्यप्रभाजी	बीदासर
31.	साध्वी श्री निर्वाणश्रीजी	घाटकोपर
32.	साध्वी श्री अणिमाश्रीजी	कांदीवली
33.	साध्वी श्री सोमलताजी	परेल
34.	साध्वी श्री कुंदनप्रभाजी	राजनगर
35.	साध्वी श्री प्रज्ञाश्रीजी	मदुरै
36.	साध्वी श्री जिनरेखाजी	वासी
37.	साध्वी श्री स्वर्णरेखाजी	सिन्धीकेला
38.	साध्वी श्री पावनप्रभाजी	लाडनूं
39.	साध्वी श्री काव्यलताजी	चैन्नई

Abtmm Vision (संभावित योजनाएं) 2017-19

1. आध्यात्मिक लक्ष्य :

तपो महायज्ञ : आयंबिल अनुष्ठान :

- आगामी 24 अप्रैल 2017 को परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के जन्म दिवस के उपलक्ष में पूरे देश भर में एक दिन, एक साथ 57,000 आयंबिल का आयोजन।

सामायिक अभियान :

- प्रत्येक शनिवार को सायं 7 से 8 बजे की सामायिक के क्रम से अधिक से अधिक महिलाएं एवं कन्याएं जुड़ें।
- अ.भा.ते.म.मं. के सामायिक संकल्प पत्र में सहभागिता दर्ज करावें।

कंठस्थ ज्ञान :

- अधिक से अधिक भाई–बहन पच्चीस बोल एवं प्रतिक्रमण कंठस्थ करें।
- विशेष लक्ष्य के साथ इस वर्ष तेरापंथ प्रबोध कंठस्थ करे। जिन्होंने कंठस्थ किया है वो महाप्रज्ञ प्रबोध प्रारंभ करे।

पचरंगी अभियान :

- चातुर्मास के दौरान छोटे–छोटे व्रतों पर आधारित पचरंगी तप का आयोजन

दस प्रत्याख्यान :

- नवरात्रि के दौरान वृहद् स्तर पर एक साथ पूरे देशभर में दस प्रत्याख्यान का आयोजन

2. आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना :

- तत्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन के पाठ्यक्रम से देशभर से 2100 परीक्षार्थियों को जोड़ने का लक्ष्य।
- तत्वज्ञान एवं तेरापंथ दर्शन का ऑनलाईन प्रशिक्षण प्रारम्भ।
- जो भाई बहन छःवर्षीय पाठ्यक्रम संपन्न कर चुके हैं उनके लिए त्रिवर्षीय विशेष पाठ्यक्रम का प्रारंभ।
- अब तक पूरे देशभर से इस पाठ्यक्रम से जुड़ने वाले समस्त संभागियों का वृहद् स्तर पर सम्मेलन एवं दीक्षांत समारोह का आयोजन
- जैन स्कोलर योजना के सभी संभागियों के लिए पूज्यप्रवर की सन्निधि में कार्यशाला एवं दीक्षांत समारोह का आयोजन।

3. कन्या सुरक्षा योजना :

- कन्याओं के अस्तित्व, व्यक्तित्व व कर्तृत्व की सुरक्षा के लिए तथा तेजस्वी, वर्चस्वी व संस्कारी कन्याओं के जीवन निर्माण के लिए देशभर में आंचलिक कन्या कार्यशालाओं का आयोजन।
- कन्याओं के भीतर छिपी प्रतिभा को उजागर करने तथा उनकी सृजन क्षमता का विकास करने हेतु समय–समय पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन
- शादी से पहले भावी जीवन की तैयारी का प्रशिक्षण तथा शादी के बाद सुखी एवं सामंजस्यपूर्ण स्थायी वैवाहिक जीवन का प्रशिक्षण।
- कन्याओं को कॅरियर के लिए गाइडेंस देना।
- कन्याओं के आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तिव विकास हेतु प्रशिक्षण

- कंठस्थ ज्ञान के अंतर्गत अधिक से अधिक कन्याएं तेरापंथ प्रबोध सीखने का प्रयास करे।
- 8 मार्च 2018 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक दिन में एक साथ पूरे देशभर में वृहद स्तर पर महिला सशक्तिकरण रैलियों का आयोजन।
- कन्याओं के आध्यात्मिक विकास हेतु समय-समय पर ऑन लाइन तथा वॉट्सअप के माध्यम से छोटे-छोटे व्रतों एवं संकल्पों का त्यागमय सफर निरंतर चलता रहे।
- अधिक से अधिक कन्याओं को कन्यामंडल से जोड़ने का प्रयास।

4. स्वस्थ परिवार-स्वस्थ समाज योजना :

- अच्छे अभिभावक बनने का मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण।
- आचार्य श्री तुलसी के महाप्रयाण दिवस पर विराट युवती सम्मेलन का आयोजन दिनांक 30 जून, 1, 2 जुलाई 2018 नैतिकता की शक्तिपीठ गंगाशहर में (उम्र सीमा 50 वर्ष तक)
- बुजुर्गों के लिए चित्त समाधि शिविर का आयोजन।
- नव दंपत्ति तथा दंपत्ति शिविरों का आयोजन
- वर्ष में एक बार पारिवारिक सौहार्द शिविर का आयोजन
- वृहद् स्तर पर प्रबुद्ध महिला सेमिनार
- सास बहू सम्मेलन
- समस्या समाधान विभाग के अंतर्गत ऑनलाइन काउन्सेलिंग का प्रारंभ
- महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु ''उन्नयन'' आंचलिक कार्यशालाओं का आयोजन।

5. आओ चले गाँव की ओर :

- गाँवों में स्वस्थ एवं उन्नत जीवन शैली का प्रशिक्षण
- स्वावलम्बन का प्रशिक्षण
- स्वास्थ्य परीक्षण एवं प्रशिक्षण
- सिलाई, कम्प्यूटर आदि का प्रशिक्षण
- साक्षरता का प्रशिक्षण
- स्वच्छता का प्रशिक्षण : स्वच्छ भारत अभियान के अंतर्गत इस वर्ष बाल दिवस पर बाल स्वच्छता अभियान ''निर्माण'' योजना को ग्रामीण स्कूलों में लागू की गई जो लगभग एक वर्ष तक चलेगी।

6. सामाजिक क्षेत्र में :

- कन्या सुरक्षा योजना के प्रचार-प्रसार हेतु देशभर में 108 आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का निर्माण।
- मानव सेवा के अंतर्गत पूरे देश भर में आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरैपी सेंटर का निर्माण

7. संगठन यात्रा :

- अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूरी टीम के माध्यम से प्रांरभ के चार महीनों में समस्त शाखा मंडलों की संगठन यात्रा विशेष प्रारूप के साथ।
- उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जायेगी जिनकी पिछले कई वर्षों से सार संभाल नहीं हुई हो।

8. रास्ते की सेवा :

- अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित ''भावना'' रास्ते की सेवा के उपक्रम से अधिक से अधिक बहिनों को जोड़ना।
- सेवा के दौरान छोटे-छोटे क्षेत्रों में नैतिकता, सद्भावना एवं नशामुक्ति का विशेष प्रचार करना।

9. लीडरशीप ट्रेनिंग के अंतर्गत देशभर से 100 महिलाओं को मोटिवेटर के रूप में तैयार करना।

10. SMDP Programme (सोशल मीडिया डीएडिक्शन प्रोग्राम)

11. नारी लोक का मोबाइल एप तैयार करना :

12. संस्था का ब्रोशर-प्रोफाइल आदि तैयार करना।

13. वेबसाइट का नवीनीकरण।

''आओ चलें गाँव की ओर'' योजना के अन्तर्गत
''निर्माण'' एक कदम स्वच्छता की ओर

इस दिशा में अपने कदमों को गति देते हुए निम्न शाखा मंडलों ने स्कूलों में निर्माण योजना प्रारम्भ की है :-

क्षेत्र	स्कूल	क्षेत्र	स्कूल
मुंबई	60	भीलवाड़ा	5
चैन्नई	30	विशाखापट्टनम	5
इन्दौर	21	उत्तरप्रदेश	4
साउथ कोलकाता	20	गांधीनगर बैंगलोर	4
जयपुर शहर	10	विजयनगर बैंगलोर	2
जयपुर सी-स्कीम	8	वापी	2
उधना	6	सेलम	2

निम्न शाखा मंडलों ने भी योजना के अन्तर्गत 1-1 स्कूल में निर्माण कार्य प्रारम्भ किया है :

सूरत, भवानी पटना, कोयम्बटूर, कुनूर, गुलाब बाग, यशवंतपुर, कांकरोली, सिरसा, टीटीलागढ़, बडौदा, बीकानेर, साउथ हावड़ा, इरोड़, राउरकेला, केसिंगा, नोखा, उदासर, सरदार शहर, सिवाकाशी, चित्तौड़गढ़, इस्लामपुर, टालीगंज-कोलकत्ता, उदयपुर, जयगांव, इंदौर, बरपेटा, बिहाला-कोलकत्ता, खुश्कीबाग, राजसमन्द, पाली, हासन, रायपुर, अहमदाबाद, नोगाँव, लुणकरणसर, वीरगंज, राजराजेश्वरीनगर, मैसूर, श्रीडूंगरगढ़, जोरहाट, कटक, हैदराबाद, गंगाशहर, कोलकाता, तेजपुर, नाथद्वारा, भवानी, भुवनेश्वर, मंड्या, विराटनगर, अलीपुरद्वार, जोधपुर, नागपुर, आमेट, विजयनगरम, दलखोला, कानपुर, करीमगंज, श्रीगंगानगर, सुजानगढ़, गुलाबबाग, पूर्वांचल-कोलकत्ता, कोकराझार, लुधियाना, सवाई माधोपुर, जलगाँव, रतलाम, छापर, बंगाईगांव-नार्थ, इचलकरंजी, रामपुर-पटनागड़, बेलपाड़ा, बालोतरा, किशनगंज, मदुरई, कोलार, पटना, पर्वतपाटिया, काठमांडू, काँटाबांजी, अंबिकापुर, बारडोली, पूणे, कालू, बंगईगांव, राजमहेंद्रवरम, जयसिंहपुर, विजयवाड़ा, कोटा, दौलतगढ़, गुष्कारा, बालेश्वर, , दारसहल्ली, फारबिसगंज, तुसरा, सिल्चर, जसोल, पटना, कालांवाली आदि

आप सभी शाखा मंडल साधुवाद के पात्र हैं जिन्होंने इस अभियान को भारत के कोने-कोने तक पहुँचा कर इसकी जड़ों को पोषण देने का कार्य प्रारम्भ किया है। आप सभी से अनुरोध है, वर्षभर सघनता से कार्य करें।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल 2017-19
विभागीय संयोजिकाएं

1. आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना

(I) तत्त्वज्ञान तेरापंथ दर्शन

निर्देशिका	श्रीमती पुष्पा बैंगानी	9311250290
संयोजिका	श्रीमती मंजु भुतोड़िया	9312173434
सह संयोजिका	श्रीमती कुसुम बैंगाणी	8010139367

(II) जैन स्कॉलर योजना

निर्देशिका	श्रीमती डॉ. मंजू नाहटा	9433028281/8777629306
संयोजिका	श्रीमती कनक बरमेचा	9328072984
सह संयोजिका	श्रीमती पुष्पा बैद	9314194215

2. स्वस्थ परिवार स्वस्थ समाज योजना

निर्देशिका	श्रीमती सूरज बरड़िया	9831143436
समस्या समाधान विभाग	श्रीमती सुनीता जैन	9868516242
	श्रीमती नीतू पटावरी	9818098013
लीडरशीप ट्रेनिंग	प्रो. रत्ना कोठारी	9819914206
	श्रीमती जयश्री बडाला	9867486848
	श्रीमती रचना हिरण	9821385587

3. कन्या मंडल विभाग

संयोजिका	श्रीमती मधु देरासरिया	9427133069
सह संयोजिका	श्रीमती तरुणा बोहरा	9967351851

4. कन्या सुरक्षा योजना

संयोजिका	श्रीमती अदिति सेखानी	9909024763

5. कन्या सुरक्षा सर्किल

	श्रीमती कुमुद कच्छारा	9833237907
	श्रीमती नीलम सेठिया	9952426060

6. आओ चले गाँव की ओर - स्वच्छ भारत अभियान

संयोजिका	श्रीमती रंजु लुणिया	9436103330
सह संयोजिका	श्रीमती मधु डागा	7002985115
	श्रीमती रंजू खटेड़	9864044609

7. आचार्य तुलसी कर्तृत्व पुरुस्कार

निर्देशिका	श्रीमती सायर बेंगाणी	9818403318

8. फिजियोथेरेपी सेन्टर

संयोजिका	श्रीमती कल्पना बैद	9831046456
	श्रीमती विमला दुगड़	9314517737

9. संगठन विभाग		
संयोजिका	श्रीमती कनक बरमेचा	9328072984
	श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा	8769167796
10. रास्ते की सेवा - भावना		
निर्देशिका	श्रीमती शोभा दुगड़	9831300006
संयोजिका	श्रीमती कांता तातेड़	9820648887
	श्रीमती लीना दुगड़	9830758882
11. नारीलोक हेतु संपर्क	श्रीमती सौभाग बैद	8003131111
	श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा	9619927369
12. नारीलोक प्रश्नोत्तरी	श्रीमती रमन पटावरी	9903518222
13. प्रचार प्रसार विभाग	श्रीमती प्रभा घोड़ावत	9302101268
14. इ मीडिया संयोजिका	श्रीमती नीतू ओस्तवाल	9461531077
15. प्रशासनिक संपर्क	श्रीमती प्रियंका जैन	9166847368
	श्रीमती प्रभा घोड़ावत	9302101268

जैन स्कॉलर योजना की चतुर्थ कार्यशाला

लाडनूं – अखिल भारतीय तेरापंथ मंडल द्वारा लाडनूं में दिनांक 2 नवम्बर से 13 नवम्बर तक जैन स्कॉलर योजना के द्वितीय सत्र की चतुर्थ कार्यशाला का आयोजन किया गया। ज्ञातव्य है कि जैन विद्वान/विदुषी तैयार करने हेतु यह महत्वपूर्ण कार्य सन् 2011 में केलवा से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रारंभ किया गया था। मुनिश्री स्वस्तिक कुमार जी ने मंगलपाठ सुनाकर सत्र का प्रारंभ किया। साध्वी श्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में शनिवार की सामायिक का लाभ भी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा लिया गया।

जैन स्कॉलर निर्देशिका डॉ. मंजु जी नाहटा एवं उपनिर्देशिका श्रीमती कनक बरमेचा के मार्गदर्शन में यह कार्यशाला निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर हो रही है। कार्यशाला में समणी डॉ. संगीतप्रज्ञा जी द्वारा प्राकृत, समणी भास्कर प्रज्ञा जी द्वारा एवं समणी सुलभप्रज्ञा जी द्वारा संस्कृत, श्रीमती सुषमा आंचलिया द्वारा संस्कृत व्याकरण, श्रीमती डॉ. मंजु नाहटा द्वारा कर्मग्रंथ एवं डॉ. वीरबाला छाजेड़, उज्जैन द्वारा भारतीय दर्शन का कुशल प्रशिक्षण दिया गया।

जैन स्कॉलर की संयोजिका अखिल भारतीय महिला मंडल की उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने कार्यशाला को व्यवस्थित रूप से सुनियोजित किया। इसी मध्य अखिल भारतीय महिला मंडल की वर्तमान अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती कल्पना बैद, महामंत्री नीलम सेठिया ने भी जैन स्कॉलर के अध्ययन हेतु शुभकामनाएं दी एवं फिजियोथेरेपी सेन्टर का उद्घाटन किया।

जैन स्कॉलर सीनियर बैच द्वारा शोधकार्य भी समणी डॉ. शशिप्रज्ञा एवं डॉ. दामोदर शास्त्री के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। संस्कृत, प्राकृत का अध्ययन भी निरंतर गतिमान है। निवास एवं भोजन व्यवस्था में कार्यालय व्यवस्थापिका श्रीमती सुमन नाहटा एवं लाडनूं महिला मंडल का विशेष सहयोग रहा। इस योजना के प्रायोजक श्रीमती तारादेवी सुराना कोलकाता है।

राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती सुमन बच्छावत को JITO लेडिज विंग की वाइस चेयरमेन एवं श्रीमती सुमन नाहटा को भारत तिब्बत सहयोग मंच महिला विभाग की महामंत्री बनने पर हार्दिक बधाई।

प्रश्नौतरी प्रतियौगिता दिसम्बर 2017

प्रिय बहनों,

तेरापंथ एक आचार्य के नेतृत्व में चलने वाला पंथ। विशुद्ध आध्यात्मिक दृष्टिकोण से चलने वाला पंथ। सुविधावाद व व्यक्तिवाद को चुनौती देने वाला पंथ।

एक अनूठा पंथ जिसके दर्शन व इतिहास का सम्यक् बोध प्राप्त करने के लक्ष्य से यह प्रश्नोत्तरी प्रारम्भ की गई है। प्रथम प्रयास कैसा लगा इस हेतु सुझाव अवश्य दे। यह अगला प्रयास सभी के लिए प्रस्तुत है-

सन्दर्भ ग्रंथ :- तेरापंथ प्रबोध 11 से 20 पद्य अर्थ सहित-तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ संख्या 46 से 57

1. प्रश्न का उत्तर एक शब्द में दे

(1) आचार्य भिक्षु दीक्षा लेने के लिए कंटालिया से बगड़ी शहर कैसे आए?
(2) भीखणजी व रामचरण जी कौन सी पूजा के पक्षधर थे?
(3) स्वामीजी ने राजनगर चातुर्मास में प्रत्येक आगम का कितनी बार सूक्ष्मतापूर्वक परायण किया?
(4) पंच को किस उपमा से उपमित किया गया है ?
(5) स्वामी जी नेअमर रायपुर में किस साध्वी से धर्म चर्चा की?
(6) लिखमीचंद जी के दादाजी का क्या नाम था ?
(7) दर्शन और चारित्र किसके अनिवार्य अंग है?
(8) अशुभ योगों की प्रवृत्ति से किसका बंध होता है?
(9) पिथरोजी खटेड़ व लालचंदजी पोरवाल कहाँ के रहने वाले थे?
(10) आचार्य रूघनाथजी स्वयं राजनगर नहीं जा सकते थे। उन्होंने कहाँ के लिए अपने चातुर्मास की स्वीकृति दे दी थी?

2. शब्दों का अर्थ लिखें :-

(1) बहुड़ायो
(2) लख
(3) सीयो दाहो
(4) अण भै वाणी
(5) सहकार
(6) परनालै
(7) निर्गुण पूजा

3. अधूरे वाक्य को पूरा करें :-

(1) धर्म जो कि जन-जन को आलम्बन देने वाला है, स्वयं........
(2) अविश्वास जहाँ कार्य को नष्ट करता है वहाँ.....
(3) एक क्रिया से एक ही बंध......
(4) वे आत्म कल्याण के पथ पर......
(5) स्व और पर से ऊपर उठकर केवल निर्विशेषण विचार को परखने.....
(6) दु:ख के समय जहाँ पामर प्राणी हाय-तौबा मचाता है वहाँ......
(7) काम, क्रोध, तृष्णा तजे दुविधा देय उठाय.....

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें। उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING, JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033-40620395
ई-मेल : raman.patawari@gmail.com

परिणाम

नवम्बर माह की प्रश्नोत्तरी के उत्तर

1. शब्द अन्वेषण :-

(1)	कांठा	(2)	प्रातिभ ज्ञान	(3)	सत्य
(4)	ढ़ील, समझौत	(5)	संकवाली	(6)	गुणोशाह
(7)	निबावास	(8)	शैवाल, कंकर	(9)	बंडेल
(10)	कर्म-कटक				

2. रिक्त स्थान की पूर्ति (अ या आ से)

(1)	आचार्य तुलसी	(2)	अभय सिंह जी	(3)	अद्वितीय आलोचक
(4)	अन्तर्ध्वन, अमूल्य	(5)	आगरिया	(6)	असाधारण
(7)	अज्ञानमय	(8)	आत्म-विजयी	(9)	आध्यात्मिक

3. मैं कौन हूँ

(1)	मुनि वेणीराम जी	(2)	पांचोजी
(3)	पेमोजी	(4)	जातिमान वृक्ष

4. दोहा

(1) आ तो नारी लाज करै घणी, न दिखावै मुख नै आंख।
पिण गालयां गावण नै उसरी, जाणै कपड़ा दीधा न्हाख।।

(2) वार मंगल तीखी तिथि तेरस सुणी, जनम कल्याणज थाय।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

5,00,000	गुप्त अनुदान - रास्ते की सेवा हेतु
51,000	श्रीमती डॉ. अंजुला बिनायकिया (कोलकाता) द्वारा सप्रेम भेंट
51,000	श्रीमती उषा रमेश जी बोहरा (चैन्नई) द्वारा रस्ते की सेवा हेतु सप्रेम भेंट
51,000	श्रीमती रजनी पुखराजजी दुगड़ द्वारा रास्ते की सेवा हेतु सप्रेम भेंट
51,000	स्व. जय सिंह जी सिंघी की पुण्य स्मृति में धर्मपत्नी श्रीमती विमला सिंघी एवं पुत्रवधु श्रीमती अनिता सिंघी (अध्यक्ष-टोलीगंज) द्वारा रास्ते की सेवा हेतु सप्रेम भेंट
51,000	शिलोंग महिला मंडल द्वारा रास्ते की सेवा हेतु सप्रेम भेंट
51,000	श्रीमती सुमन प्रवीण जी बच्छावत (सरदारशहर-मुंबई) द्वारा सप्रेम भेंट
31,000	चैन्नई महिला मंडल द्वारा रास्ते की सेवा हेतु सप्रेम भेंट
11,000	छापर महिला मंडल द्वारा सप्रेम भेंट
11,000	श्रीमती निधि आनंद सेखानी (सूरत) द्वारा सप्रेम भेंट

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया - 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम-636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा - 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org

संकल्प गीत

लय : आओ बच्चों तुम्हें.....

जागो जागो कन्याओं ! यह बेला है अभियान की।
दुर्गा बनकर करो सुरक्षा, नारी के सम्मान की।।
चिन्मय दीप जले, मोती सीप ढले।।

शक्ति तुम्हीं हो, तुम्हीं सम्पदा, श्रुतदेवी प्रतिरूप हो,
उदय अभ्युदय इस दुनिया की, तुम ही उजली धूप हो।
भक्तिमयी अनुरक्तिमयी तुम, ज्योतिमयी चिद्रूप हो,
सत्यं शिवं सुन्दरं तुम हो, तुम गंगा अभिरूप हो।
नई पहल करनी है तुमको अपने अनुसंधान की।।

हे आदर्श तुम्हारे सम्मुख मीरा, झांसी की रानी,
सती सुभद्रा चन्दनबाला, सीता जानी-पहचानी।
नई उषा बन उतरो नभ पर, करो सूर्य की अगवानी,
विकसित हो परिवार फूल सा, सींचो पौरुष का पानी।
सम्बन्धों के छन्द-छन्द में भरो गन्ध मुस्कान की।।

हिमगिरि पर तुमको चढ़ना है, एक नया संकल्प करो,
उर्वर आध्यात्मिक धरती पर वैज्ञानिक बनकर उतरो।
खुला-खुला आकाश सामने, इन पंखों में प्राण भरो,
छूकर शिखर सफलता के कर्तृत्व-कसौटी पर निखरो।
धरो कदम आगे से आगे मंजिल है गतिमान की।।

अनुशासन का कवच पहन तुम, हो निर्भय आगे आओ,
क्षमा धैर्य गांभीर्य विनय से जीवन-रण में जय पाओ।
सम शम श्रम सहयोग समन्वय हर कीमत पर अपनाओ,
है ऊँचे अरमान, इरादे ऊँचे रखकर दिखलाओ।
सत्य शील के लिए लगा दो बाजी अपने प्राण की।।

– साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी